(c) Rights of Manual Scavengers

मैला ढोने वालों के अधिकार

(d) Role of Judiciary in upholding Human Rights

मानवाधिकारों को बनाए रखने में न्यायपालिका की भूमिका

[This question paper contains 8 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 6420 **L**

Unique Paper Code : 2324000013

Name of the Paper : INTRODUCTION TO HUMAN RIGHTS

Name of the Course : **B.A. Political Science - GE**

पाठ्यक्रम का नाम : **बी.ए. राजनीति विज्ञान**

Semester/Annual : II

सेमेस्टर/वार्षिक

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. "Modern human rights are the product of a long historical evolution." In light of this statement, critically analyse the contributions of the Magna Carta and American Bill of Rights in shaping the idea of rights in general and human rights in particular.

"आधुनिक मानवाधिकार एक लंबे ऐतिहासिक विकास का परिणाम हैं।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में, सामान्य रूप से अधिकारों की अवधारणा को

9. Examine the role of the Media and Civil Society as watchdogs for human rights in India with suitable examples.

उपयुक्त उदाहरणों के साथ भारत में मानवाधिकारों के सजग प्रहरी (watchdogs) के रूप में मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

10. Write short notes on **Any Two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Generations of Human Rights

मानवाधिकारों की पीढ़ियाँ

(b) International Covenants on Civil and Political Right (1966)

नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिज्ञापत्र (ICCPR), 1966

7. "Public Interest Litigation has transformed the judiciary into a protector of the voiceless." Critically examine this statement in the context of human rights protection in India.

"जनहित याचिका ने न्यायपालिका को 'बेआवाज़ लोगों के रक्षक' में बदल दिया है।" भारत में मानवाधिकारों के संरक्षण के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

8. Legal recognition does not always translate into social acceptance." Discuss this statement in the context of human rights of the LGBTQ+ community in India.

"कानूनी मान्यता हमेशा सामाजिक स्वीकृति में परिवर्तित नहीं होती।" भारत में LGBTQ+ समुदाय के मानवाधिकारों के संदर्भ में इस कथन पर चर्चा कीजिए।

और विशेष रूप से मानवाधिकारों की अवधारणा को आकार देने में 'मैग्ना कार्ट' (Magna Carta) तथा 'अमेरिकन बिल ऑफ राइट्स' (American Bill of Rights) के योगदान का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

2. Rights are meaningful only when they are experienced in real life. Discuss how the three generations of human rights together ensure a life of freedom, equality, and dignity.

अधिकार तभी सार्थक होते हैं, जब उन्हें वास्तविक जीवन में अनुभव किया जाए। चर्चा करें कि मानवाधिकारों की तीनों पीढ़ियाँ मिलकर किस प्रकार स्वतंत्रता, समानता और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करती हैं।

3. "The Universal Declaration of Human Rights is not just a document, but a moral guide for humanity." Critically analyse.

"मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक नैतिक मार्गदर्शक है।" आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. "Freedom without basic needs is incomplete, and basic needs without freedom are insufficient." In the light of this statement, critically analyse the relationship between the International Covenant on Civil and Political Rights and the International Covenant on Economic Social and Cultural Rights.

"बुनियादी जरूरतों के बिना आजादी अधूरी है, और आजादी के बिना बुनियादी जरूरतें अपर्याप्त हैं।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में, नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा' तथा 'आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा' के बीच के संबंध का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

5. "Legal to achieve genuine empowerment of women." Critically examine this statement in the context of the Convention on the Elimination of All Forms of Discrimination Against Women (CEDAW).

"महिलाओं के वास्तविक सशक्तिकरण को प्राप्त करने के लिए केवल कानूनी समानता ही पर्याप्त नहीं है।" "महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर अभिसमय: (CEDAW) के संदर्भ में इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

6. Evaluate the relevance of the Directive Principles of State Policy in addressing contemporary human rights issues such as poverty, inequality, education, and public health in India.

भारत में गरीबी, असमानता, शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य जैसे समकालीन मानवाधिकार मुद्दों को संबोधित करने में राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों की प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिए।